प्रिय पितृ/ संरक्षक महोदय,

सादर नमस्ते!

प्रथम तो बधाई आपको एवं आपके पुत्र/पुत्री को, जिसने विश्वप्रसिद्ध एवं प्राचीन विश्वविद्यालय गुरुकुल काङ्गड़ी में प्रवेश लेकर अपने को उन्नत विद्यार्थी जीवन के लिए अध्ययनार्थ प्रस्तुत किया है। समाज सुधारक शिरोमणि एवं समग्र क्रान्ति के प्रणेता महर्षि दयानन्द सरस्वती के प्रमुखतम शिष्य अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानन्द द्वारा गंगा के पावन तट पर हरिद्वार में स्थापित, राष्ट्र एवं भारतीय संस्कृति सभ्यता के लिए समर्पित इस विश्वविद्यालय में प्रवेश लेना एवं अध्ययनपूर्ण करना आपके पुत्र/पुत्री का परम सौभाग्य है। हम विश्वास दिलाते हैं निश्चित रुप से आपका पुत्र/पुत्री आपके परिवार समाज एवं देश के लिए समर्पित व सफल नागरिक बने।

आपसे अनुरोध है कि आप अपने पुत्र/पुत्री से उसके सम्यक् अध्ययन एवं आचरणादि की रिपोर्ट लेते रहें और उसको विशेष प्रेरणा व हिदायत भी दें कि तुम्हारा उत्कर्ष मात्र निष्ठापूर्वक अध्ययन में है न कि नकारात्मक गतिविधियों एवं व्यर्थ व पतनोन्मुखी छात्र राजनीति में, साथ ही प्रेरणा दें कि **75%** से भी अधिक कक्षा उपस्थिति रहने की। यदि आपका बालक **75%** से कम कक्षा उपस्थिति एवं पतनोन्मुखी व्यर्थ की राजनीति में पाया जाता है, तो विश्वविद्यालय प्रशासन प्रशासनिक कार्यवाही करेगा, जिसका उत्तरदायित्व आपके बालक और आपका होगा।

आपके बालक/बालिका के उन्नत व सफल जीवन का शुभेच्छु।

प्रो0 रूप किशोर शास्त्री
कुलपति